

22/07/22 आज पत्रावली पेश हुई। वादी व वादी
वकील अनु। वादी व वादी वकील दो बार-
आवाज लगाई गई, बाबजूद सुनना से
कोई भी उपलब्ध नहीं। अतः पत्रावली
अदम्य हाजरी अदम्य पेशी में खासिय
की जाती है। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर
नम्बर से इस होकर दफ़्तर हो।

अधिकारी
कलकत्ता अलवर